Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 2, Petersburg 1858

क्षयिष्णु (wie eben) adj. 1) *vernichtend* Bhâg. P. 6,16,41. स्वखेद° 3, 13,25. — 2) *vergänglich:* लोकाः Bhâg. P. 7,7,40.

क्षय्य (wie eben) adj. *vergänglich* P. 6,1,81. Vop. 26,16; vgl. अक्षय्य, wo nachzutragen ist: n. *Nichtabnahme, fortdauerndes Bestehen:* अपवर्गे तु वैश्यस्य श्राद्धकर्मणि भारत। अक्षय्यमभिधातव्यं (sic) स्वस्ति शूद्रस्य भारत ॥ MBh. 13,1607.

क्षर्, क्षरति (ep. auch क्षरते; ved. क्षरिति P. 7,2,34) Dhâtup. 20,21; अक्षारीत् (P. 7,2,2), अक्षार् ved. (Nir. 5,3); infin. क्षरध्यै RV. 1,63,8. 1) *fliessen, strömen;* von Wassern u. s. w. RV. 1,33,11. 2,11,1. 7,34,2. सोमो अक्षाः 10,89,7. 9,107,9. इयं ते इन्द्र रातिः क्षरति सुन्वतः 8,13,4. ततः क्षरत्यक्षरम् 1,164,42. 116,9. 9,109,8. Çat. Br. 6,1,3,6. यस्मै लोका घृतवत्क्षरन्ति AV. 4,35,5. क्षरन्ति धीतयः Vâlakh. 1,6.2,4. क्षरच्छोणितदिग्धलोचनः R. 5,42,8. Prab. 85,12. 95,17. Râga-Tar. 5,409. — 2) *gleiten:* अमादेयं भियसा भूमिरेजति नौर्न पूर्णा क्षरति व्यथिर्यती RV. 5,59,2. — 3) *zerfliessen, zerrinnen, schwinden, vergehen, zu Nichte werden:* क्षरन्ति सर्वा वैदिक्यो जुहोतियजतिक्रियाः। अक्षरं त्वक्षरं ज्ञेयं त्रयं चैव प्रजापतिः॥ M. 2,84. यज्ञो ऽनृतेन क्षरति तपः क्षरति विस्मयात् 4,237. इन्द्रियाणां तु सर्वेषां यद्येकं क्षरतीन्द्रियम्। तेनास्य क्षरति प्रज्ञा 2,99. क्षत्प्रसादान्महादेव तपो मे न क्षरेत वै MBh. 3,7001. — 4) *abgleiten, einer Sache* (abl.) *verlustig gehen:* न च क्षरति तेभ्यश्च (लोकेभ्यः) MBh. 13,4716. — 5) *Etwas strömen, ausströmen, giessen:* मधु क्षरन्ति सिन्धवः RV. 1,90,6. 112,11. 9,63,14. आपश्चिदस्मै घृतमित्क्षरन्ति AV. 7,18,2. तस्य नित्यं क्षरत्येष पयो दधि घृतं मधु M. 2,107. MBh. 13,2697. तथा क्षीरं क्षरत्येताः (गावः) 3720. क्षरतः शोणितं बहु MBh. 1,2843.5471. 3,16049. Benf. Chr. 29,29.30. R. 3,24,24. क्षरमाणा पयो ऽमृतम् (धेनुः) MBh. 13,6399. स्रोतोभिस्त्रिदश गङ्गा मदं क्षरन्तः Kir. im ÇKDr. अक्षारिषुः शराम्भांसि तस्मिन्क्षतःपयोधराः Bhaṭṭ. 9,8. चण्डनक्रग्रहं घोरं क्षरन्तम् (समुद्रम्) R. 5,74,28. Bhaṭṭ. 17,86. Häufig mit Weglassung des obj. *einen Strom entlassen:* तासां (गवां) क्षरन्तीनां समन्ततः MBh. 13,3714. तस्मै ता (गावः) घृतवाहिन्यः क्षरन्ते वत्सला इव 3523. (नागाः *Schlangen*) क्षरन्त इव जीमूताः 1,797. क्षरन्तश्चैव नागेन्द्राः (*Elephanten*) 4,1031.887. Ragh. 6,54. 13,74. वारिवेगेन महता भिन्नः सेतुरिव क्षरन् R. 6,112,7. — Vgl. क्षारय्.

— अति *überströmen:* (सोमासः) पवित्रमत्यक्षरन् RV. 9,63,15. यदक्षारीत् देवयुः 43,5. छन्दसो यो रसो ऽत्यक्षरत्सो ऽतिच्छन्दसमभ्यत्यक्षरत् Ait. Br. 4,3. Çat. Br. 6,1,1,12. 7,3,1,17. 5,1,1. RV. 5,66,5.

— अभ्यति *hinüberströmen zu* Ait. Br. 4,3 (s. unter अति). TBr. 1,8,9,1.

— अनु *zufliessen auf, einströmen in:* मधोर्धारामनु क्षर RV. 9,17,8. (सिन्धवः) अनुक्षरन्ति काकुदम् 8,58,12.

— अभि 1) *zuströmen auf, umströmen:* प्रक्रस्यं त्वाभ्यक्षरन्धाराः RV. 1,84,4. ये ते पवित्रमूर्मयो ऽभिक्षरन्ति धारया 9,61,5. 78,3. 97,45. 98,2. आदित्यं नाव्या अभि क्षरन्ति Çat. Br. 10,5,4,14. 14,6,10,3. fgg. — 2) *beströmen, begiessen:* घृतेनास्माँ अभि क्षर AV. 7,109,4. 8,2,14.

— अव caus. *herabfliessen lassen auf:* अपामञ्जलौ पूरयित्वा तत्सवितुर्वृणीमह इति पूर्णेनास्य पूर्णमवक्षारयित्वासिच्य (पाणिं गृह्णीयात्) Âçv. Gṛhj. 1,20.

— आ caus. s. u. क्षारय्.

— उप *hinströmen zu:* उप क्षरन्ति सिन्धवः (ईजानम्) RV. 1,125,4. 5, 62,4. सर्वतः स्वधा यजमानमुपक्षरति Ait. Br. 2,23.

— परि 1) *umherströmen:* ऊर्मिर्यः पवित्रे पर्यक्षरत् RV. 9,64,11. परि ष्य सुवानो अक्षाः 98,3. — 2) *Jmd Etwas zuströmen:* (परि णः) क्षरा सहस्रिणीरिषः RV. 9,61,3.

— प्र *strömen:* प्रास्य धारा अक्षरन् RV. 9,29,1. 30,1. 66,28. 89,1. 109, 16. Çâṅkh. Çr. 7,15,15. *herabfallen:* खाडुत्कराश्च प्रचक्षरुः Bhaṭṭ. 14,97.

— अभिप्र *hinströmen nach:* यथा स्वयमातृण्णामभिप्रक्षरेत् Çat. Br. 9,2, 3,31. आपो वृत्राभिप्रक्षरिताः *hingegossen* (?) 7,2,3,2.

— वि *zerfliessen, sich ergiessen, abfliessen:* सिन्धोर्ऊर्मा व्यक्षरन् RV. 9,21,3. 39,4. Çat. Br. 5,5,4,28. 6,1,2,29. 7,3,1,16. तस्य यो रसो व्यक्षरत् 14,1,1,11. 2,9. 3,11. Khând. Up. 3,1,4. तस्याः समुद्रा अधि वि क्षरन्ति RV. 1,164,42. विक्षरन्तं महामेघम् MBh. 14,2184.

— सम् *zusammenfliessen:* इन्द्रस्य सोम जठरे समक्षरः RV. 9,85,5. यदग्नु संक्षरितमासीत् Çat. Br. 6,1,1,11. 2,2. 3,1,28.

क्षर (von क्षर्) gaṇa ज्वलादि zu P. 3,1,140. 1) adj. f. आ *was da zerrinnt, vergänglich* (Gegens. अक्षर, अमृत, शाश्वत) Çvetâçv. Up. 1,8.10. क्षरं त्वविद्या ह्यमृतं तु विद्या 5,1. Bhag. 8,4. 15,16. सा तु शाश्वती न च सा क्षरा MBh. 2,433. 14,523.809. क्षरात्मक dass. Mârk. P. 23,33. — 2) m. *Wolke* H. an. 2,399. Med. r. 11. — 3) n. a) *Wasser* diess. — b) *Körper:* ततः सवेदनो जीवः सद्यः प्रच्यवते क्षरात् MBh. 14,470. — Vgl. अक्षर.

क्षरक (wie eben) adj. f. क्षरिका *ausströmend:* कौशाम्भःक्षरिके देवि Dev. 11,12.

क्षरज (क्षर + ज) = क्षरेज P. 6,3,16. adj. *produced by distillation, etc.* Wilson.

क्षरण (von क्षर्) n. *das Fliessen* Suçr. 1,31,11. 2,56,7. अङ्गुली° *das Schwitzen der Finger* Ragh. 19,19. *das Fliessen, das Ausströmen* Vop. 8,37. 121. 13,1.

क्षरपत्रा (क्षर + पत्र) f. N. einer Pflanze (s. द्रोणपुष्पी) Wils.

क्षरिन् (von क्षर्) 1) adj. *fliessend, strömend.* — 2) m. *die Regenzeit* H. 157.

क्षरेज (क्षरे, loc. von क्षर, + ज) = क्षरज P. 6,3,16.

क्षर्य (von क्षर) gaṇa गवादि zu P. 5,1,2.

1. क्षल् क्षलति *fliessen; sammeln* Dhâtup. 20,21, v. l. für क्षर्.

2. क्षल् क्षालयति (eig. caus. von क्षर्) *abwaschen* Dhâtup. 32,57. यावत्क्षालयतीवाङ्गम् — वाष्पाम्बुपूरैः Kathâs. 25,257. क्षालयन्नपि वक्षाङ्गी-क्षदीवेगो निकृन्तति Hit. IV,39. Çiç. 1,38. अक्षालितयोनि Suçr. 1,290,15. उपदेशपीयूषैः। क्षालितमपि मे हृदयं मलिनं शोकोर्मिभिः क्रियते Prab. 94, 7. H. 1437. Bildl. *wegwischen, wegschaffen:* आसन्ने समरे क्षित्वा रुधिरोद्गारि तद्वपुः। इमापतेः क्षालितामर्षो धीरः शूरो विनिर्ययौ ॥ Râga-Tar. 5,59.

— अव *durch Eintauchen abwaschen;* davon अवक्षालन in शिरोऽवक्षालन H. an. 2,4. Med. k. 20.

— परि *abspülen, abwaschen:* परिक्षालयेत् Çat. Br. 1,3,1,8. परिक्षाल्य पात्रम् 7,4,17.

— प्र *abspülen, ausspülen, abwaschen* Çat. Br. 12,5,2,5. प्रक्षाल्य पाणी 14,9,2,13. M. 3,264. पादौ MBh. 1,2984. Mṛkkh. 43,10.13. 86,21. Pańkat. 254,7. Vet. 6,11. Prab. 22,4. गात्राणि वाससी चैव प्रक्षाल्य सलिलेन सा MBh. 4,505.840. 2,2390. मुखम् 3,2944. पात्रम् Kâtj. Çr. 2,2,20. रजः R. 3,76,33. मषीम् Kathâs. 4,70. — Kâtj. Çr. 5,3,7. 7,5,18. 6,27. 8,3,21.

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007